छत्तीसगढ़ी शोध
एवं सृजनपीठ

Dr. C.V. Raman University
Registrar
Kargi Road, Kota, Bilaspur (C.G.)

छत्तीसगढ़ी शोध एवं सृजनपीठ

डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय की स्थापना 03 नवंबर 2006 को छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) अधिनियम 2005 के अधीन सुदूर वनांचल ग्राम कोटा में की गई है। आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र में उच्च शिक्षा की जागृति तथा छत्तीसगढ़ी भाषा एवं साहित्य को संवर्धित एवं संरक्षित कर अपने 70 एकड़ के विस्तृत भू–भाग पर विस्तारित कर उत्कृष्ट अधोसंरचना आधुनिक प्रयोग शालाओं एवं पुस्तकालय से सुसज्जित कर अपने शस्य श्यामल परिवेश में कार्य कर रही है। यह विश्वविद्यालय अपने केन्द्रीय एवं राज्य नियामक ईकाइयों से अधिमान्य है। विश्वविद्यालय NAAC B+ ग्रेड प्रत्यायित निजी विश्वविद्यालय है। विश्वविद्यालय का गुणवत्ता के लिये ISO : 9001-2008 एवं ISO : 9001-2015 प्रमाणित एवं स्वच्छता के लिये भारत सरकार द्वारा पुरस्कृत विश्वविद्यालय है। विश्वविद्यालय में छत्तीसगढ़ी विषय में शोध को उत्कृष्ट, परिष्कृत एवं परिमार्जित करने के लिये "शोध एवं सृजन पीठ" की स्थापना 18 अक्टूबर 2017 को की गई है।

छत्तीसगढ़ी शोध एवं सृजनपीठ के माध्यम से छत्तीसगढ़ी भाषा में शोध एवं साहित्य से विद्यार्थियों को जोड़ते हुये नई तकनीकी के माध्यम से शोध के क्षेत्र में इन युवाओं को प्रेरित करना, छत्तीसगढ़ी साहित्य की नई–नई विधाओं से अवगत कराते हुये नवोदित पीढ़ी को राष्ट्रीय एवं अंर्तराष्ट्रीय स्तर पर नवीन तथ्यों की खोज कराकर शोध के क्षेत्र में नयी उपलब्धियां हासिल करना ताकि भौतिक एवं व्यवहारिक शोध को बढ़ावा मिल सके। छत्तीसगढ़ के नये रचनाकारों को मंच प्रदान करना और वरिष्ठ रचनाकरों का अनुभव लेकर एक नयी साहित्यिक पीढ़ी का निर्माण करना।

छ.ग. शोध एवं सृजन पीठ की स्थापना इस उद्देश्य से की गई थी, साहित्यक शोध की मूल आत्मा साहित्य के क्षेत्र में रहस्योद्घाटन किया जा सके। यह विभिन्न रचनाओं, विधाओं के संबंध में नवीन ज्ञान द्वारा हमारी अज्ञानता को दूर करता है। छत्तीसगढ़ी शोध एवं सृजन पीठ का उद्देश्य अनुसंधान के क्षेत्र में नवोदित पीढ़ी को सुअवसर प्रदान किया जा सके, ताकि ये इस ओर जागरूक होकर अपने भविष्य निर्माण में अहम भूमिका अदा कर सकें। साहित्य सृजन की अपनी परिकल्पना को पूरा कर सके एवं भाषा तथा व्याकरण को समृद्ध बनाने में अपना सहयोग दे सके ।

Dr. C.V. Raman University Registrar Kargi Road, Kota, Bilaspur (C.G.)

छत्तीसगढ़ी शोध एवं सृजनपीठ के अंतर्गत राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शोध की गुणवत्ता के साथ आगे ले जाने के लिये शोध सामग्री का संचयन करना शोध एवं साहित्य सृजन के लिये राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी कराना तथा शोद्यार्थियों को शोध के लिये दिशा–निर्देश देना हमारा प्रारंभिक लक्ष्य रहा है, ताकि इनमें नये–नये तरीके से लेखन शैली को बढ़ावा मिल सके। नवोदित छत्तीसगढ़ी साहित्यकारों को जोड़कर रचनाशीलता को बढ़ावा दे सके।

छत्तीसगढ़ी शोध एवं सृजन पीठ का उद्देश्य राज्य शासन एवं केन्द्र शासन से समन्वय स्थापित कर नये–नये विषयों पर समय प्रबंधन के साथ लेख लिखने के लिये शोद्यार्थियों को प्रेरित करना । छत्तीसगढ़ी भाषा एवं इसके व्याकरण को समृद्ध कर इस संबंध में शब्दकोष एवं व्याकरण दिगदर्षिका का प्रकाषन।

छत्तीसगढ़ी शोध एवं सृजन पीठ का मूल लक्ष्य शोध एवं सृजन के क्षेत्र में उचित दिशा देना एवं वस्तुपरक एवं वैज्ञानिक शोध को बढ़ावा देना है, जिससे देश की राष्ट्रीय और सांस्कृतिक विरासत की समझ बढ़े तथा सही मूल्यांकन भी हो सके । इसके लिये शोध एवं सृजनपीठ छत्तीसगढ़ की नैसर्गिक छटा यहां के प्रमुख ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, धार्मिक पर्यटन स्थल को लिपिबद्ध करना ताकि छत्तीसगढ़ के सांस्कृतिक इतिहास को एक नवीन तथ्य मिले, जिससे शोधार्थियों को इसका लाभ मिले। यहां के प्रमुख स्थलों की डाक्यूमेंट्री तैयार कर यहां की सांस्कृतिक, प्राकृतिक संरचना तथा धार्मिक विविधता में एकता का परिदृश्यांकन कर सकें ।

राज्य अभिलेखागार एवं क्षेत्रीय अभिलेख सर्वेक्षण समितियों के सहयोग से शोध के स्थान का निर्धारण सर्वेक्षण सूचीकरण और परिक्षण के उपायों की शुरूवात कर सकें। लोकप्रिय साहित्य के प्रकाशन को प्रोत्साहित कर सके, जिससे छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत की वस्तुपरक समझ को बढ़ावा मिल सकें और छत्तीसगढ़ की संस्कृति का अनछुआ पहलू उजागर हो और साहित्य के अंको में हमारा छत्तीसगढ़ समुन्नत हो सकें ।

Dr. C.V. Raman University
Registrar
Kargi Road, Kota, Bilaspur (C.G.)

दायरा तथा महत्व

व्यापक अर्थ में शोध एवं सृजन किसी भी क्षेत्र में ज्ञान की खोज करना एवं उसको लिपिबद्ध किया जा सके। शोध में नवीन वस्तुओं की खोज पुरानी वस्तुओं एवं सिद्धातों का पुनः परीक्षण करना, जिससे नये तथ्य प्राप्त हो सकें। छत्तीसगढ़ी शोध एवं सृजन पीठ का उद्देश्य वैज्ञानिक विधि का सहारा लेते हुये प्रासंगिक तथ्यों का संकलन करना तथा शोध प्रविधि के दायरे मे रहते हुये शोध एवं साहित्य कार्य किया जा सके। छत्तीसगढ़ी शब्दकोष को समृद्ध करना व्याकरण को लिपिबद्ध करना पीठ का लक्ष्य रहा है।

पीठ का उद्देश्य

ग्रंथालय में संदर्भित ग्रंथों का संकलन कराना शोध–पत्र सम्मेलन, सेमीनार में पढ़े गये आलेख, शोध प्रबंध, पत्रिकायें, समाचार पत्र, इंटरनेट की सुविधा, हस्तलेख तथा अप्रकाशित पांडुलिपि का संग्रह करना तथा शोद्यार्थियों को इसकी सुविधा प्रदान करना भी रहा है। विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़ शोध एवं सृजनपीठ शोद्यार्थियों को जागरूक बनाने के लिये शोध संबंधी वित्तीय संसाधनों जैसे राज्य शासन तथा केन्द्र शासन के द्वारा निर्धारित छात्रवृत्ति तथा अन्य वित्तीय सहयोग की भी व्यवस्था की जा सके। इससे विश्वविद्यालय उच्चतम शोध केन्द्र के रूप में विकसित हो सके। छत्तीसगढ़ के नये–नये साहित्यकारों को मंच प्रदान की जा सके। पुराने तथा नये साहित्यकारों को पीठ के माध्यम से जोड़ना तथा प्रशिक्षित किया जा सके। छत्तीसगढ़ी शब्दकोष को समृद्ध करना व्याकरण को लिपिबद्ध करना पीठ का लक्ष्य रहा है।

उपलब्ध संसाधन –

1. छत्तीसगढ़ शोध एवं सृजनपीठ।
2. छत्तीसगढ़ लोक कला एवं संस्कृति विभाग केन्द्र।
3. रेडियो रामन् के 90.4।
4. शोध ग्रंथालय।
5. संग्रहालय छत्तीसगढ़ संजोही।
6. वनमाली सृजन पीठ।
7. ललित कला विभाग।
8. रामन् लोक कला महोत्सब।
9. समय–समय पर होने वाले राष्ट्रीय एवं अंर्तराष्ट्रीय संगोष्ठी।
10. स्थानीय संसाधनों के द्वारा।
11. केन्द्रीय ग्रंथालय एवं विभागीय ग्रंथालय।
12. छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों के गजेटियर।

Dr. C.V. Raman University
Registrar
Kargi Road, Kota, Bilaspur (C.G.)

सांस्कृतिक कार्यक्रम

हरेली तिहार – 2021

छत्तीसगढ़ी शोध एवं सृजन पीठ द्वारा हरेली तिहार का आयोजन किया गया जहां हरेली पर्व पर कुल देवता व कृषि औजारों की पूजा करने के बाद किसान अच्छी फसल की कामना की गई एवं विभिन्न प्रकार के प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति एवं अन्य प्रशासनिक अधिकारी एवं कर्मचारियों ने हिस्सा लिया।

छत्तीसगढ़ी शोध एवं सृजन पीठ द्वारा आयोजित हरेली कार्यक्रम में
भाग लेते हुए कुलसचिव श्री गौरव शुक्ला

छत्तीसगढ़ी शोध एवं सृजन पीठ द्वारा आयोजित हरेली कार्यक्रम में
भाग लेते हुए अध्यापकगण

Dr. C.V. Raman University
Registrar
Kargi Road, Kota, Bilaspur (C.G.)

Dr. C.V. Raman University
Registrar
Kargi Road, Kota, Bilaspur

छत्तीसगढ़ी शोध एवं सृजनपीठ द्वारा आयोजित भोजली कार्यक्रम की झलकियां

छत्तीसगढ़ी राज्य एवं विश्वविद्यालय स्थापना समापन समारोह में पारंपरिक परिधान में भोजली गीत गाते हुए अतिथियों की आगुवानी करते विद्यार्थी

छत्तीगसढ़ी लोकगीत गायन–वादन में प्रस्तुति देते विश्वविद्यालय के कलाकारों की मंडली

Dr. C.V. Raman University
Registrar
Kargi Road, Kota, Bilaspur (C.G.)

CVRU

छत्तीसगढ़ राज्य एवं विश्वविद्यालय

स्थापना महोत्सव

दिनांकः 11 से 28 नवम्बर 2021 तक

डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय की स्थापना बिलासपुर जिले के दूरस्थ आदिवासी ग्रामीण अंचल कोटा में की गई। विश्वविद्यालय अपने स्थापना दिनॉक से ही विश्वविद्यालय के अधिनियमित उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए सतत् रूप से कार्य करता चला आ रहा है। विश्वविद्यालय, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1956 के उद्देश्यों से प्रेरित होकर विश्वविद्यालय में स्थानीय ज्ञान परंपराओं, लोक कला, लोक संस्कृति, लोक साहित्य एवं अन्य परंपरागत ज्ञान को सहेजने एवं सवंर्धित करने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ी लोक कला एवं संस्कृति केन्द्र तथा छत्तीसगढ़ी शोध एवं सृजन पीठ की स्थापना की गई है। जिसके तहत् विश्वविद्यालय में वर्षभर विभिन्न प्रकार की गतिविधियों का संचालन किया जाता है एवं विभिन्न प्रकार के प्रदेश एवं राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। इसी क्रम में छत्तीसगढ़ी भाषा एवं तीज त्यौहारों एवं कला संस्कृति से अवगत कराने एवं विभिन्न स्थानीय लोक कला एवं संस्कृति के जानकार विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों को मंच प्रदान किया जाता है। विश्वविद्यालय के द्वारा तीन दिवसीय रामन् लोक कला महोत्सव का आयोजन भी किया जाता है डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय द्वारा छत्तीसगढ़ी परंपरा से ओतप्रोत विभिन्न त्यौहारों को हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है।

इसी क्रम में इस वर्ष छत्तीसगढ़ राज्य एवं विश्वविद्यालय स्थापना महोत्सव के उपलक्ष्य में डॉ. सी.वी. रामन् विश्वविद्यालय के छत्तीसगढ़ी लोक कला एवं संस्कृति केन्द्र तथा छत्तीसगढ़ी शोध एवं सृजन पीठ के द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में दिनांक 11 नवम्बर 2021 से 28 नवम्बर 2021 तक विविध कार्यक्रमों का आयोजन छत्तीसगढ़ की लोककला एवं संस्कृति को सहेजने के लिए किया गया।

आयोजन के द्वारा छत्तीसगढ़ में प्रचलित लोकोक्तियाँ एवं मुहावरे तथा प्रदेश के विभिन्न विषयों पर शोध–पत्र एवं आलेख का संग्रह किया गया जिसका दस्तावेजीकरण कर राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाया जा सके। इसी क्रम में छत्तीसगढ़ से संबंधित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति और परंपराओं पर आधारित प्रश्नों का समावेश किया गया था। देष के प्रत्येक क्षेत्र में कठपुतली नृत्य, नाट्य मंचन एवं चलचित्रों के माध्यम से सामाजिक जागरूकता का संदेश दिया जाता था जिसमें क्षेत्र की परम्परा और संस्कृति की स्पष्ट झलक भी दिखाई देती थी। ऐसे ही चलचित्र छत्तीसगढ़ी भाषा में निर्मित हुए थे जिनका प्रदर्शन इस आयोजन के दौरान किया गया। विश्वविद्यालय के आसपास का परिवेश ग्राम्य प्रधान है यहॉं के विद्यार्थी और कार्य करने वाले भी आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करते हैं जिसके कारण क्षेत्र की मूल संस्कृति और लोक कला से भली–भांति परिचित भी हैं इसलिए प्रदेश की संस्कृति और परंपरा इनके रग–रग में समाहित है इस आयोजन के माध्यम से ऐसे धूमिल कलाकारों को मंच प्रदान कर एक नई पहचान दी गई। आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र में स्थित होने के कारण विश्वविद्यालय के द्वारा आदिवासी संस्कृति और कला को प्रोत्साहित किया जाता रहा है इस आयोजन के माध्यम से भी आदिवासियों की संस्कृति और कला को मंच प्रदान कर आदिवासी क्षेत्रों के प्रतिनिधियों को सम्मानित किया गया। इस आयोजन के माध्यम से छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति, साहित्य से लेकर छत्तीसगढ़ के पारंपरिक व्यंजनों को लोगों के समक्ष प्रस्तुत करने का जीवंत प्रयास किया गया।

Registrar
Dr. C.V. Raman University, Kargi Road, Kota, Bilaspur (C.G.)

आदिवासी सम्मेलन–2021

25 नवंबर 2021 को आदिवासी सम्मेलन–2021 का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय द्वारा किये गये कार्यों सहित आदिवासी गीत–संगीत, लोक कला पर केंद्रित था। कार्यक्रम में सबसे पहले विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री गौरव शुक्ला ने विश्वविद्यालय की स्थापना के बाद से अब तक आदिवासियों के उत्थान और शिक्षा के क्षेत्रों में कार्यों का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। आयोजन में विश्वविद्यालय के कलाकारों ने आदिवासी नृत्य प्रस्तुत किया। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के अध्यक्ष डॉ. शिववरण शुक्ल ने अपने उर्जावान उद्‌बोधन से विश्वविद्यालय द्वारा किये गये कार्यों की सराहना की। कार्यक्रम में उपस्थित आयोग के अकादमिक सदस्य प्रो. उमेश मिश्रा ने विश्वविद्यालय की दूरदर्शिता की तारीफ़ की। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आर. पी. दुबे ने अपने वक्तव्य में कहा कि आदिवासियों को विकास और शिक्षा से जोड़ने हेतु ही इस क्षेत्र में विश्वविद्यालय की स्थापना की गई है। कार्यक्रम में निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग की सचिव डॉ. मनीशा शुक्ला, सम कुलपति डॉ. जयति चटर्जी के साथ–साथ विश्वविद्यालय के संकाय अध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, कर्मचारी और छात्र–छात्राएँ उपस्थित थे। छत्तीसगढ़ी लोक कला एवं संस्कृति केन्द्र तथा छत्तीसगढ़ी शोध एवं सृजन पीठ के केन्द्र प्रमुख डॉ. अरविन्द तिवारी ने आभार व्यक्त किया।

Dr. C.V. Raman University
Registrar

आदिवासी सम्मेलन 2021 में उपस्थिति निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के अध्यक्ष महामहोपाध्याय डॉ. शिववरण शुक्ल एवं सदस्य गण

आदिवासी सम्मेलन 2021 में आदिवासी नृत्य की प्रस्तुति देते विश्वविद्यालय की छात्राएं

Dr. C.V. Raman University
Registrar
Kargi Road, Kota

आदिवासी सम्मेलन 2021 में जनप्रतिनिधि को सम्मानित करते हुए
निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के अध्यक्ष महामहोपाध्याय डॉ. शिववरण शुक्ल

निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के अध्यक्ष महामहोपाध्याय डॉ. शिववरण शुक्ल को
स्मृति चिन्ह प्रदान करते विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री गौरव शुक्ला

Dr. C.V. Raman University
Registrar
Kargi Road, Kota, Bihar

छत्तीसगढ व्यंजन पाक कला प्रतियोगिता–

27 नवंबर 2021 – प्रत्येक राज्य के पारंपरिक पकवान उस राज्य के त्यौहारों में विशेष स्थान रखते हैं लेकिन छत्तीसगढ़ में हर मौसम में एक त्यौहार और हर त्यौहार में व्यंजन पकवान का अपना अलग–ही महत्व है। यहॉ के व्यंजन स्वादिष्ट होने के साथ–साथ स्वास्थ्य वर्धक भी होते हैं इसी कारण 27 नवंबर 2021 को छत्तीसगढ़ महोत्सव में छत्तीसगढ़ी व्यंजन पाक कला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें प्रतिभागियों ने हिस्सा लेकर छत्तीसगढ़ के पारंपरिक व्यंजन से आयोजन को छत्तीसगढ़ी स्वाद से भर दिया। मुख्य अतिथि प्रो. आलोक कुमार चक्रवाल, विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति, माननीय सम कुलपति और आदरणीय कुलसचिव ने छत्तीसगढ़ी व्यंजनों के स्टॉल में जाकर व्यंजन के बारे में जानकारी प्राप्त की और व्यंजनों के स्वाद का आनंद लिया। अतिथियों ने विद्यार्थियों के पाककला की प्रशंसा भी की।

Dr. C.V. Raman University
Registrar

छत्तीसगढ़ी व्यंजन पाक कला प्रतियोगिता में स्वादिष्ट व्यंजन का आनंद लेते अतिथि

छत्तीसगढ़ी व्यंजन पाक कला प्रतियोगिता में स्वादिष्ट व्यंजन का आनंद लेते अतिथि

Dr. C.V. Raman University
Registrar
Kargi Road, Kota, Bilaspur

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता –

दिनांक 13 नवम्बर 2021 को प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई जो कि, छत्तीसगढ़ सामान्य ज्ञान पर आधारित थी। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में विद्यार्थियों की कुल 16 टीम प्रतिभागी रही। प्रत्येक टीम में 2–2 प्रतिभागी थे। सभी टीम के नाम छत्तीसगढ़ की नदियों के नाम पर रखा गया था महानदी, लीलागर, खारून, हसदेव, मनियारी, जमुनिया, पैरी, सोंढूर, बोराई, केलो, मांड, अरपा, सोन, शिवनाथ, तांदुला और दूध। प्रतियोगिता 3 चरणों में संपन्न हुई। प्रथम चरण क्वालिफायर राउंड था जिसके अंतर्गत प्रत्येक टीम से 2–2 प्रश्न पूछे गए। 16 में से 9 टीम अधिक अंक प्राप्त कर द्वितीय चरण (सेमीफाईनल) की ओंर अग्रसर हुई, इस चरण में भी प्रत्येक टीम से 2–2 प्रश्न पूछे गए। अंतिम चरण (फाइनल) में चार (04) टीम पहुंची जो कि बज़र राउंड था। इस चरण में प्रतिभागियों को स्क्रीन पर आडियो–विडियो और चित्र दिखाकर प्रश्न पूछे गए। जिसके परिणामस्वरूप लीलागर टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया और द्वितीय स्थान प्राप्त किया पैरी टीम ने। विश्वविद्यालय के डॉ. मनीष उपाध्याय एवं श्री राकेश गुप्ता प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में शामिल थे। इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य युवाओं में छत्तीसगढ़ की लोक कला एवं संस्कृति के प्रति जागरूकता लाने के साथ–साथ प्रदेश के ऐतिहासिक महत्व व प्राचीन साहित्य के प्रति ज्ञानार्जन करवाना था।

Dr. C.V. Raman University Registrar Kargi Road Bilaspur (C.G.)

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में उपस्थित प्राध्यापक एवं विद्यार्थी

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में उपस्थित विद्यार्थियों की टीम

Dr. C.V. Raman University
Registrar

छततीसगढ़ के संदर्भ में प्रश्न पूछती प्राध्यापिका

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के मंच पर उपस्थित अतिथिगण

Dr. C.V. Raman University
Registrar

छत्तीसगढ़ी चलचित्र महोत्सव (फ़िल्म फेस्टिवल)

दिनॉक 15 नवम्बर 2021 को छत्तीसगढ़ी चलचित्र महोत्सव (फ़िल्म फेस्टिवल) का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 1965 में निर्मित पहली छत्तीसगढ़ी फिल्म से लेकर अब तक की उन चुनिंदा फिल्मों के अंश प्रदर्शित किये गये जिनमें छत्तीसगढ की लोक कला, संस्कृति और यहॉ का मूल परिवेश झलकता है। 1965 की मनु नायक द्वारा निर्मित पहली फिल्म कहि देबे संदेस, प्रदेश की दूसरी छत्तीसगढ़ी फिल्म घर–द्वार जिसके निर्माता थे स्व. विजय कुमार पाण्डेय। इन फ़िल्मों के गीतों में मो. रफी और सुमन कल्याणपुर जैसे गायकों ने अपनी आवाज़ दी। इसके बाद सन् 2000 में सतीश जैन द्वारा निर्मित फ़िल्म मोर छईहा भुईया और ज्ञानेश तिवारी द्वारा 2017 में बनी फिल्म ले चल नदिया के पार भी प्रदर्शित की गई। इन फिल्मों में सामाजिक उत्थान, मानव मूल्य और छत्तीसगढ़ी ग्राम्य जीवन का मूलभूत स्वरूप दर्शाया गया था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ी फ़िल्म निर्माता/निर्देशक श्री ज्ञानेश तिवारी और छत्तीसगढ़ी फिल्मों के अभिनेता श्री अखिलेश पाण्डेय उपस्थित थे।

Dr. C.V. Raman University Registrar Kargi Road ... Bilaspur (C.G.)

छत्तीगसढ़ी चल चित्र महोत्सव में उपस्थित छत्तीसगढ़ी फिल्म निर्माता व निर्देशक
श्री ज्ञानेश तिवारी एवं छत्तीसगढ़ी फिल्मों के अभिनेता श्री अखिलेश पाण्डेय

छत्तीगसढ़ी चल चित्र महोत्सव में संबोधित करते निर्माता व निर्देशक श्री ज्ञानेश तिवारी जी

Dr. C.V. Raman University
Kargi Road, Kota, Bi
Registrar

श्री ज्ञानेश तिवारी को पुरस्कृत करते कुलसचिव श्री गौरव शुक्ला एवं अभिनेता श्री अखिलेश पाण्डेय को पुरस्कृत करते छत्तीसगढ़ी लोक कला एवं संस्कृति केन्द्र के निदेशक डॉ. अरविन्द तिवारी

संबोधित करते अभिनेता श्री अखिलेश पाण्डेय

Dr. C.V. Raman University
Registrar
Kargi Road, Kota, Bilaspur (C.G.)

छत्तीसगढ़ी लोकगीत गायन वादन

17 नवम्बर 2021 को विश्वविद्यालय के कर्मचारियों द्वारा छत्तीसगढ़ी लोक गीतों की प्रस्तुती विशेष आकर्षण का केन्द्र रही। विश्वविद्यालय में नया प्रयास किया गया जिसमें विश्वविद्यालय में कार्यरत चतुर्थ वर्ग कर्मचारियों को भी मंच प्रदान किया गया। ये कर्मचारी विश्वविद्यालय के आस–पास के गांव के रहवासी हैं और छत्तीसगढ़ के मूल स्वरूप में जीवन–यापन करते है जिसके कारण उन्होंने लोक–गीतों के पारंपरिक स्वरूप को प्रस्तुत किया। कार्यक्रम प्रस्तुती को लेकर विश्वविद्यालय के सभी कर्मचारीगण बेहद उत्साहित थे। यह विश्वविद्यालय का अभिनव प्रयास रहा। छत्तीसगढ़ में भरथरी लोकगाथा का नाम आते ही स्व. सुरूज बाई खाण्डे ही याद आती हैं लेकिन विश्वविद्यालय की महिला कर्मचारी श्रीमती शकुंतला भारद्वाज ने भरथरी लोकगाथा को ऐसा प्रस्तुत किया जिसे सुनने वालों ने खूब सराहा। विवाह हमारी लोक संस्कृति का महत्वपूर्ण अंग है। आंचलिक पहचान को संजोये रखने के कारण छत्तीसगढ़ में बिहाव गीत मंगनी जंचनी से शुरू होकर बिदाई तक सम्पन्न होता है। इस दरम्यान अनेक लोक गीतों को प्रयोग किया जाता है। इसी तारतम्य में विश्वविद्यालय के कर्मचारी मन्नु राजा और श्रीमती शकुंतला ने छत्तीसगढ़ के पारंपरिक बिहाव गीत को प्रस्तुत किया। छत्तीसगढ़ में पारंपरिक रूप से गाये जाने वाले लोक गीतों में जसगीत का अहम स्थान है जो मुख्यतः क्वांर और चैत्र नवरात में नौ दिनों तक गाया जाता है। जसगीत में आल्हा उदल के शौर्य गाथाओं, माता के श्रृंगार और माता की महिमा का बखान किया जाता है। विश्वविद्यालय की महिला कर्मचारियों द्वारा माता के श्रृंगार पर आधारित जसगीत गाया गया। इसके पश्चात् सुआ गीत की प्रस्तुती दी गई। छत्तीसगढ़ में दीपावली के पर्व पर महिलाओं द्वारा गाया जाने वाला गीत है सुआ गीत। इस लोक गीत में स्त्रियां तोते के माध्यम से अपने मन की बात गीतों में पिरोतीं हैं। छत्तीसगढ़ी में होली को होरी के नाम से जाना जाता है ऋतुराज बसंत के आगमन के साथ ही अंचल के गली–गली में नगाड़े की थाप के साथ राधा कृष्ण के प्रेम प्रसंग भरे गीत फ़ाग के रूप में गाये जाते हैं। विश्वविद्यालय के सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग के श्री जितेन्द्र गुप्ता ने अपने फाग गीत की प्रस्तुती से सुनने वालों को होली के रंगों से सराबोर कर दिया था।

Dr. C.V. Raman University
Kargi Road, Kota
Registrar

छत्तीगसढ़ी लोकगीत गायन–वादन में प्रस्तुति देते विश्वविद्यालय के कलाकार

छत्तीगसढ़ी लोकगीत गायन–वादन में प्रस्तुति देते विश्वविद्यालय के कलाकारों की मंडली

C.V. Raman University
Registrar
Kargi Road, Kota, Bilaspur (C.G.)

छत्तीगसढ़ी लोकगीत गायन–वादन में प्रस्तुति देते विष्वविद्यालय के कलाकार

छत्तीगसढ़ी लोकगीत गायन–वादन में प्रस्तुति देते विष्वविद्यालय के कलाकारों की मंडली

Dr. C.V. Raman University
Registrar
Kargi Road, Kota, Bilaspur (C.G.)

साक्षात्कार

विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ लोकमान्य कलाकारों एवं शिक्षाविदों का साक्षात्कार आयोजित किया जाता है – इस कड़ी में

देवार गीत की पारंपरिक गायिका श्रीमती रेखा देवार जी से साक्षात्कार

रतनपुरिहा गम्मत विधा के पितामह काशीराम साहू जी से साक्षात्कार

Dr. C.V. Raman University (C.G.)
Registrar

छत्तीसगढ़ी शोध एवं सृजनपीठ द्वारा
आयोजित कार्यक्रम की झलकियां

श्री राहुल सिंह जी पूर्व संचालक संस्कृति विभाग छत्तीसगढ़ से साक्षात्कार

श्री अशोक तिवारी पूर्व निदेशक मानव संग्रहालय भोपाल (म.प्र.) से साक्षात्कार

Registrar

छत्तीसगढ़ी शोध एवं सृजनपीठ द्वारा आयोजित कार्यकम की झलकियां

श्रीमती रेखा देवार से साक्षात्कार उपरांत छायाचित्र

साहित्य संगोष्ठी में उपस्थित राहुल सिंह जी एवं अशोक तिवारी जी के साथ विश्वविद्यालय परिवार

Dr. C.V. Raman University
Registrar

छत्तीसगढ़ी शोध एवं सृजनपीठ द्वारा आयोजित कार्यकम की झलकियां

बॉलीवुड कलाकार विनय पाठक जी से पुस्तक यात्रा के दौरान साक्षात्कार

साहित्यकार डॉ. विनय पाठक जी से राजभाषा दिवस के अवसर पर साक्षात्कार

Dr. C.V. Raman University
Registrar
Kargi Road, Bilaspur (C.G.)